ढोली थारो ढोल बाजै...

141 रिपोर्टर

जयपुर, 2 अक्टूबर। गुलाबी नगर के लड़कों में इस बार डाण्डिया का क्रेज देखते ही बनता है। डाण्डिया रास के आयोजनों की नवरात्रा में भरमार को देखते हुए इस बार जयपुर के लड़के भी बड़ी तादाद में डाण्डिया सीख रहे हैं।

एयर कण्डीशन्ड सभागार डाण्डिया सीखने को मिल जाए तो इससे बेहतर और क्या हो सकता है। बड़े समूहों में यहां न केवल महिलाएं बल्कि पुरूष भी डाण्डिया का प्रशिक्षण ले रहे हैं। गुलाबी नगरी के सबसे बड़े और भव्य रजनीगंधा डाण्डिया महोत्सव के प्रशिक्षण शिविर में लोगों को डाण्डिया सिखाने का यह कार्य पिछले दस दिनों से चल रहा है।

राजस्थान पत्रिका मीडिया मैक्स की ओर से प्रस्तुत इस डाण्डिया प्रशिक्षण शिविर में आठ समूहों में सुबह से लेकर रात तक प्रशिक्षण ले रहे लोगों में भारी उत्साह बना हुआ है। म्यूजिक शुरू होने के साथ ही लड़के और लड़कियां बड़ी संख्या में खाली हाथों से प्रेक्टिस कर रहे हैं। कुछ डाण्डिया भी हाथ में लेकर नृत्य करने का प्रयास करते हैं। गुजरात के प्रसिद्ध गरबा और डाण्डिया विशेषज्ञों पूर्वी शाह, पूजा शाह और दर्शित शाह द्वारा दिए जा रहे इस प्रशिक्षण में आए लोगों का कहना है कि डाण्डिया क्या होता है, यह अब जाना है।

पूर्वी शाह ने बताया कि जयपुर में अब डाण्डिया रास के आयोजन अधिक होने लगे हैं, ऐसे में यह जरूरी हो गया है कि डाण्डिया का प्रशिक्षण भलिभांति लिया जाए। शाह ने पत्रिका की ओर से कराए जा रहे डाण्डिया रास के आयोजन की तैयारियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां परम्पराओं को पूर्ण रूप से ध्यान रखा जाता है।

उन्होंने कहा कि भगवान कृष्ण द्वारा गोपियों के साथ किए जाने वाले इस डाण्डिया रास का हालांकि अब काफी विकृत स्वरूप हो गया है, मगर पत्रिका ने इससे बचते हुए संस्कृति और विरासत को बचाने का प्रयास किया है।

जयपुर के लड़के भी इस बार डांडिया में पीछे नहीं।

पत्रिका